RAJPUT TUTORIALS

देशी रियासतों का ब्रिटिश साम्राज्य में विलय

Name : ..... Date : ...../...../.....

अवध रियासत– 1722 ई.

1. **सआदत–अली–खाँ (1722–1739)**
   1722 ई. में मो. शाह रंगीला के शासनकाल में स्वतंत्र अवध राज्य की स्थापना की।

2. **सफदर जंग (1739 – 1754 ई.)**
   भतीजा व दामाद

3. **शुआ–उद्–दौला (1754–1775 ई.)**
   - 1764 बक्सर का युद्ध
   - शाह आलम – II के काल में मुगल वजीर

4. **आसफुद्दौला (1775–1797ई.)**
   अवध की राजधानी – फैजाबाद से लखनऊ

5. **वजीर अली** – अवैध संतान
   जान शोर ने हटा दिया

6. **सआदत अली** को नवाब बनाया।
   1801 में लॉर्ड वेलेजली के साथ सहायक संधि की।

7. **वाजिद अली शाह (1847–1856)**
   - लॉर्ड डलहौजी ने कुशासन के आरोप में कलकत्ता निर्वासित कर दिया
   - अवध का विलय
   - अंतिम नवाब
   - 1857 की क्रांति में भाग लिया बेगम हजरत महल के साथ।

हैदराबाद रियासत – 1724 ई.

1. **चिनकिलीज खाँ निजामुलमुल्क** ने स्वतंत्र आसफजाही वंश की स्थापना की।
   उपाधि – आसफजाह (मुगल शासक – मो. शाह रंगीला ने)
2. **नासिर जंग** – विरोधी मुजफ्फर जंग ने।
   कर्नाटक के चंदा साहिब व
   फ्रांसीसी गवर्नर डुप्ले की सहायता से 1750 में हत्या कर दी।
3. **मुजफ्फर जंग** – फ्रांसिसीयों को पांडिचेरी व मसुलीपट्टनम क्षेत्र सौंपा
4. **सलाबत जंग** – फ्रांसीसीयों को उत्तरी सरकार क्षेत्र सौंपा
5. **निजाम अली** (1760–1803)
   - अंग्रेजों का सहायक
   - लॉर्ड वेलेजली के साथ दो बार सहायक संधि – 1798 व 1800 ई. में
6. **उस्मान अली** – भारत विभाजन के समय हैदराबाद का शासक था।

13 सितंबर 1948 ''आपरेशन पोलो''
भारत सरकार ने भारत संघ में मिलाया

मैसूर रियासत – 1761 ई.

1565 – तालिकोटा के युद्ध ने विजयनगर साम्राज्य का अंत किया, जिसमें मैसूर राज्य का जन्म हुआ।

↓

वाडियार वंश का शासन

वास्तविक सत्ता – देवराज (सेनापति) व नंदराज (वित्त अधिकारी)

हैदर अली – 1761 में छिना व स्वायत्त सत्ता स्थापित की।

- राजधानी – श्रीरंगपट्टनम
- धर्मसहिष्णु शासक था।
- चामुण्डेश्वरी देवी मंदिर को दान किया ।
- सोने–ताँबे के सिक्कों पर हिन्दू देवता शिव–पार्वती व विष्णु की आकृति अंकित करवाई।

टीपू सुल्तान – 1784–1795
हैदर अली का पुत्र

आँग्ल मैसूर युद्ध (1767–1799)

❖ प्रथम आंग्ल मैसूर युद्ध (1767–1769)

हैदर अली Vs → अंग्रेज
→ निजाम → अस्थिर बुद्धि
→ मराठा → शिवनेर व बूटी क्षेत्र देकर अलग किया

समाप्ति – **मद्रास की संधि (1769 ई.)**

❖ द्वितीय आँग्ल मैसूर युद्ध (1780–1784)

कारण :– मद्रास की संधि का उल्लंघन अंग्रेजों द्वारा ।
हैदर अली पर मराठों ने आक्रमण किया । 1770 मद्रास की संधि के अनुसार अंग्रेजों को मदद करना था पर नही किया।
तात्कालिक कारण – माहे पर 1779 ई. में अंग्रजों का अधिकार करना।
1780 ई. – कर्नल बेली को हराया।

- वॉरेन हेस्टिंग्स ने आयरकूट को भेजा
- आयर कूट ने हैदर (घायल हुआ) को हरा दिया।
- (1782 –मृत्यु)
  - पुत्र ने युद्ध जारी रखा
  - समाप्ति – मंगलौर की संधि

❖ तृतीय आंग्ल मैसूर युद्ध (1790–92 ई.)

टीपू VS अंग्रेज (कार्नवालिस)
\+
निजाम
\+
मराठा

- **तात्कालिक कारण** – टीपू द्वारा त्रावनकोर राज्य पर आक्रमण।

- श्रीरगपट्टनम की संधि – 1792
  → आधा राज्य + 3 करोड़ रूपये
  → निजाम का कृष्ण व पेन्नार नदी क्षेत्र मिला
  → मराठा – कुडप्पा

❖ चतुर्थ आंग्ल मैसूर युद्ध – (1799 में)

कारण : टीपू ने अंतर्राष्ट्रीय सहायता मांगी।
: नेपोलियन को पत्र लिखा
: अरब देशों में गुप्त दूत भेजे

टीपू Vs अंग्रेज + मराठा + निजाम

- **1799 में टीपू सुल्तान** की **मृत्यु**

❖ 1799 में सहायक संधि के तहत विलय

विद्या अतुल्य अलंकार
RAJPUT TUTORIALS

पंजाब रियासत

1. महाराजा रणजीत सिंह

पिता – महासिंह

दादा – चरत सिंह

जन्म – 1780

❖ पंजाब पर सिक्कों व अफगान का राज

❖ 1798–99 – लाहौर जीता

1801 – महाराजा की उपाधि

राजनीतिक – लाहौर

धार्मिक – अमृतसर 1802

❖ अफगानों को पश्चिम की तरफ खदेड़ा

चार सूबों
- → पेशावर
- → कश्मीर
- → मुल्तान
- → लाहौर

- **अमृतसर की संधि – 1809**

मेटकाफ + रणजीत सिंह (लॉर्ड मिंटो के काल में)

सतलुज नदी के पूर्व का भाग – अंग्रेजी

- वफा बेगम – शाह शुजा की बेगम

– कोहिनूर हीरा दिया राजा रणजीत सिंह को

- 7 जून 1839 – राजा रणजीत सिंह की मृत्यु

2. महाराजा खड़ग सिंह (1839–1840)

पत्नी – चाँद कौर

3. महाराजा शेर सिंह (1841–43)

4. महाराजा दलीप सिंह (1843–49)

5 वर्ष में की उम्र में गद्दी पर बैठा

मां जिंद कौर (संरक्षिका) बनी।

अंग्रेजों की नजरे सिंध क्षेत्र पर थीं।

ताकतवर सेना होने के कारण जिंद कौर ने साम्राज्य विस्तार के लिए युद्ध किए फलस्वरूप अंग्रेजों के साथ संघर्ष करना पड़ा

- **प्रथम आंग्ल सिक्ख युद्ध (1845–46)**

दलीप सिंह + अंग्रेज

(1) लाहौर की संधि

(2) भैरोवल की संधि

½ करोड़ – सिक्खों को मिला

सेना सिमित कर दी गई

सतलज और व्यास नदी के बीच के किलों पर अंग्रेजों का अधिकार हो गया।

1847 – जिंद कौर को अलग कर दिया

अंग्रेजों ने 8 सिक्ख सरदारों की परिषद् बनाई थी।

- **2nd आंग्ल सिक्ख युद्ध (1848–49)**

चिलियांवाला की लड़ाई – जीते

चिनाव नदी के किनारे – हारे

1849 – पंजाब को लार्ड डलहौजी ने हड़प नीति के तहत ब्रिटिश साम्राज्य में मिला लिया

दलीप सिंह व मां जिंद कौर दोनों को लंदन भेज दिया और 50000 पौण्ड पेंशन देते रहे।

विद्या अतुल्य अलंकार
RAJPUT TUTORIALS